



भारत सरकार - रेल मंत्रालय
अनुसंधान अभिकल्प और मानक संगठन
लखनऊ - 226 011
EPBX (0522) 2451200
Fax (0522) 2458500

Government of India-Ministry of Railways
Research Designs & Standards Organisation
Lucknow - 226 011
DID (0522) 2450115
DID (0522) 2465310



प्रेस विज्ञप्ति

आरडीएसओ द्वारा सतर्कता जागरूकता अभियान - 2024 के तहत अधिकारियों के लिए परस्पर संवादात्मक सत्र का आयोजन

आरडीएसओ में सतर्कता जागरूकता अभियान 2024 के अंतर्गत सतर्कता विभाग द्वारा 09.10.2024 को संयुक्त निदेशक और निदेशकों एवं मध्य प्रबंधन अधिकारियों के लिए एक परस्पर संवादात्मक सत्र का महानिदेशक आरडीएसओ श्री उदय बोरवणकर, की अध्यक्षता एवं श्री अरुण कुमार, मुख्य सतर्कता अधिकारी आरडीएसओ के नेतृत्व में आयोजन किया गया।

मुख्य सतर्कता अधिकारी ने संगठन में सतर्कता विभाग की भूमिका के बारे में जानकारी साझा की। उन्होंने दैनिक कार्य संस्कृति में सत्यनिष्ठा, पारदर्शिता और जवाबदेही के महत्व को रेखांकित किया। उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि अधिकारियों को समय पर निर्णय क्यों लेने चाहिए और राष्ट्र निर्माण पर इसके सकारात्मक प्रभाव क्या होंगे। मुख्य सतर्कता अधिकारी ने आईएसओ दिशानिर्देशों का पालन करने और अधीनस्थों के साथ ज्ञान साझा करने के महत्व पर जोर दिया। मुख्य सतर्कता अधिकारी ने बेहतर नतीजों के लिए विजिलेंस द्वारा सलाह दी गई और व्यवस्था में सुधार की भूमिका पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि सतर्कता कार्यों का उद्देश्य निरंतर प्रणाली सुधार पर स्पष्ट ध्यान देने के साथ कार्यस्थल पर पारदर्शिता बढ़ाना है।

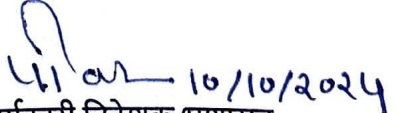
आरडीएसओ के महानिदेशक श्री उदय बोरवणकर ने संगठनात्मक ढांचे के भीतर सतर्कता की महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर दिया और अधिकारियों से अपने कर्तव्यों में पारदर्शिता, परिश्रम, ईमानदारी और सावधानी के सिद्धांतों को बनाए रखने का आग्रह किया। उन्होंने सतर्कता और सीबीआई की भूमिकाओं के साथ-साथ सतर्कता की भूमिका को समझने के लिए सतर्कता मैनुअल से खुद को परिचित करने के महत्व पर जोर दिया। श्री बोरवणकर जी ने इस बात पर प्रकाश डाला कि काम में देरी से सतर्कता मामले का सामना करना पड़ सकता है। उन्होंने वित्तीय मामलों पर डिजिटल रूप से हस्ताक्षर करने की आवश्यकता पर बल देते हुए कुशल फ़ाइल प्रबंधन के लिए ई-ऑफिस के उपयोग को रेखांकित किया। उन्होंने सभी निदेशालयों में कनिष्ठ और वरिष्ठ दोनों सहकर्मियों से सीखने की संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए सभी से व्यवहारों में स्पष्टता और विनम्रता को अपनाने की आवश्यकता पर जोर दिया।

सत्र की संवादात्मक प्रकृति होने के कारण, प्रतिभागियों को विभिन्न सतर्कता-संबंधित मुद्दों पर स्पष्टीकरण के साथ सक्रिय रूप से शामिल होने का अवसर दिया गया। महानिदेशक महोदय और मुख्य सतर्कता अधिकारी ने अधिकारियों के प्रश्नों का समाधान किया और उनकी व्यापक समझ सुनिश्चित की।

सं पीआर/पब्लिसिटी/24/70

दिनांक :10.10.2024

कृपया उपरोक्त समाचार को फोटोग्राफ सहित अपने प्रतिष्ठित समाचार पत्र में प्रकाशित करने की व्यवस्था करें।


कृते कार्यकारी निदेशक/प्रशासन

सेवा में,
संपादक _____



भारत सरकार - रेल मंत्रालय
अनुसंधान अभिकल्प और मानक संगठन
लखनऊ - 226 011
EPBX (0522) 2451200
Fax (0522) 2458500

Government of India-Ministry of Railways
Research Designs & Standards Organisation
Lucknow - 226 011
DID (0522) 2450115
DID (0522) 2465310



PRESS RELEASE

RDSO organizes interactive session for officers under Vigilance Awareness Campaign-2024

As part of the Vigilance Awareness Campaign 2024, an interactive session was conducted by the Vigilance department of RDSO on 09.10.2024 for middle management officers including Joint Director and Directors. The session was presided by Sh. Uday Borwankar, Director General (DG), RDSO and led by Sh. Arun Kumar, Chief Vigilance Officer (CVO), RDSO.

, Chief Vigilance Officer shared insights about the Vigilance department's role in the organization. He underscored the importance of integrity, transparency, and accountability in daily work culture. He highlighted on why the officers should make timely decisions and its positive effects on nation building. CVO emphasized the importance of adhering to ISO guidelines and sharing knowledge with subordinates. CVO also advocated on system improvements advised by Vigilance for better results. He stated that vigilance actions aim to enhance transparency at work place with clear focus on continuous system improvement.

Speaking on the occasion, DG emphasized the crucial role of vigilance within the organizational framework and urged officers to uphold principles of transparency, diligence, probity, and meticulousness in their duties. He emphasized the importance of familiarizing oneself with the Vigilance Manual for understanding the vigilance angle, alongside the roles of Vigilance and CBI. Sh. Borwankar highlighted that delays in work can lead to vigilance case. He underscored the use of e-office for efficient file management, emphasizing the necessity of digitally signing financial matters. He further emphasized need of clear and polite communication in all dealings, promoting a culture of learning from both junior and senior colleagues across directorates.

Session being interactive in nature, allowed participants to actively engage and seek clarification on various vigilance related issues. DG and CVO addressed the queries from officers, ensuring their comprehensive understanding.

No.PR/ Publicity/24/70

Dt. 10.10.2024

Kindly arrange to publish the above news item along with photograph in your esteemed daily newspaper.

 10/10/2024
For Executive Director/ Admin.

To,
The Editor,